









## नागरिक संगम में प्राप्त शिकायतों के निस्तारण पर जनता करेगी सार्वजनिक समीक्षा

● डीएम नेहा शर्मा ने जनिटर्ट्स क्षर की घट सदस्यीय समिति का गठन किया, शिकायतों के निस्तारण की होगी निष्पक्ष जांच

धेतावनी- लापत्तवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों के खिलाफ होगी सख्त कार्रवाई

स्वतंत्र प्रभात

कार्यवाही से संतुष्ट हैं या नहीं। शिकायतों के निस्तारण की होगी गहन जांच

नगर पालिका एवं नगर पंचायतों की कार्यपाली की व्यापक समीक्षा हेतु निम्नलिखित अधिकारियों को नामित किया गया है-

1. श्री विश्वमित्र सिंह, अपर उप जिलाधिकारी, गोण्डा - (नगर पालिका परिषद, गोण्डा)

2. सुश्री नेहा मिश्रा, उप जिलाधिकारी (स्थानीय), कर्नलगंज - (नगर पालिका परिषद कर्नलगंज, नगर पंचायत कटरा एवं परसुपुर)

3. श्री यशवंत राव, अपर उप जिलाधिकारी (प्रथम) - (नगर पंचायत मनकपुर, धानेपुर एवं खारपुर)

4. श्री विशाल, अपर उप जिलाधिकारी (द्वितीय), कर्नलगंज - (नगर पालिका परिषद नवाबगंज, नगर पंचायत बेलसर एवं तरबंगंज)

जनता की राय होगी निर्णायक

उक्त नामित अधिकारी प्रत्येक शिकायतकर्ता से संपर्क कर उनकी

## स्वतंत्र प्रभात ब्रेकिंग न्यूज़

समस्याओं की वास्तविक स्थिति की जनकारी प्राप्त करेगी। यदि किसी समस्या का समाधान अपीलित रूप से नहीं हुआ है या उसमें किसी प्रकार की अविभायितता पाई जाती है, तो तकाल समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। प्रशासन यह भी सुनिश्चित करेगा कि निस्तारण की प्रक्रिया निष्पक्ष एवं पारदर्शी हो।

**स्थानीय निरीक्षण से बढ़ेंगी जबाबदेही**

गंभीर शिकायतों के मामलों में प्रशासन द्वारा स्थानीय निरीक्षण किया जाएगा ताकि समस्या के समाधान की वास्तविकता को सत्यापित किया जा सके। इसके अतिरिक्त, जिन मामलों में ऑनलाइन आवेदन की आवश्यकता होगी, प्रशासन संबंधित

जनवरी और फरवरी माह में जिलाधिकारी नेहा शर्मा द्वारा नागरिक संगम जनसंचार कार्यक्रम का सुभारंभ किया गया था, जिसके अंतर्गत उन्होंने स्वयं नगर पालिका एवं नगर पंचायतों का दौरा कर नागरिकों की शिकायतों सुनीं एवं त्वरित समाधान के निर्देश दिए। अब प्रशासन द्वारा उन शिकायतों पर हुई कार्रवाही की व्यापक समीक्षा प्रारंभ की गई है, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि समस्याओं का समाधान प्रभावी एवं दीर्घकालिक हो।

प्रत्यक्ष रूप से बढ़े व्यापक समाजिक विभागों द्वारा जननीश अनुसंधान संगठन (इसरो) का अंग बन गये हैं। भरीजा रजनीश राय को मिली सफलता से चुने और खुशी का माहिर है।

प्रत्यक्ष रूप से बढ़े व्यापक समाजिक विभागों द्वारा जननीश राय गुड़ु ने मिलिं बांकर खुशी का इजहार किया। वहीं, भरीजा की सफलता पर जानेदार राय गुड़ु को भी खुब बधाईयां मिल रही हैं। परिवर्तन मत्री दयाशंकर सिंह, धर्मेन्द्र सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष संजय मिश्रा, आदर्श प्रताप सिंह रजनीश की सफलताएं को बधाई दी हैं।

## बलिया के लाल ने कर दिया कमल, बलिया के रजनीश कुमार राय बने वैज्ञानिक, ISRO में हुए चयनित

बलिया (यूपी) सफलताएं कदम उनकी चम्पाई है, जिनको स्वयं पर विश्वास होता है... इस पैक ने सच साबित कर दिया है बलिया के लाल रजनीश कुमार राय ने। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (INDIAN SPACE RESEARCH ORGANISATION) में जैक्यानिक/अधियंता 'एससी' (सिविल) के पद पर चयनित होकर रजनीश कुमार राय 'बंटी' ने सिफर बर-परिवार, बट्टिक जनपद का भी मान बढ़ाया है।

जिला सावादताता सैयद सेराज अहमद ने बताया कि बलिया जननद अंतरिक्ष दुहर ब्लाक के पूर्व प्रमुख भाजपा नेता जानेदार राय गुड़ु के बड़े बड़े सेवानिवृत्त सी एससीएसएफ (सिविल) के पद पर चयनित होकर भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का अंग बन गये हैं। भरीजा रजनीश राय को मिली शानदार सफलता से चुने और खुशी का माहिर है।

प्रत्यक्ष रूप से बढ़े व्यापक समाजिक विभागों द्वारा जननीश राय गुड़ु ने मिलिं बांकर खुशी का इजहार किया। वहीं, भरीजा की सफलता पर जानेदार राय गुड़ु को भी खुब बधाईयां मिल रही हैं। परिवर्तन मत्री दयाशंकर सिंह, धर्मेन्द्र सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष संजय मिश्रा, आदर्श प्रताप सिंह रजनीश की सफलताएं को बधाई दी हैं।

सबसे पहले रजनीश का चयन 'भेल' भारत हवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड में हुआ। फिर, प्रतिभा के धनी रजनीश राय सीपीडब्ल्यूडी (कैटीयू लॉक निमाण विभाग) में चयनित हुए, लैंकिन लक्ष्य के प्रति इमानदार रजनीश का प्रयास जारी रहा। रजनीश अब वैज्ञानिक/अधियंता 'एससी' (सिविल) के पद पर चयनित होकर भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का अंग बन गये हैं। भरीजा रजनीश राय को मिली शानदार सफलता से चुने और खुशी का माहिर है।

प्रत्यक्ष रूप से बढ़े व्यापक समाजिक विभागों द्वारा जननीश राय गुड़ु ने मिलिं बांकर खुशी का इजहार किया। वहीं, भरीजा की सफलता पर जानेदार राय गुड़ु को भी खुब बधाईयां मिल रही हैं। परिवर्तन मत्री दयाशंकर सिंह, धर्मेन्द्र सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष संजय मिश्रा, आदर्श प्रताप सिंह रजनीश की सफलताएं को बधाई दी हैं।

## संक्षिप्त खबरें

शराब ठेके के विरोध में सड़क पर उतरी महिलाएं - कई को पीटा



कानपुर। यहां शराब ठेका खोलने के विरोध में महिलाओं ने बवाल कर दिया। इस दौरान उन्होंने टेकेदार और उपकरणों की प्रतिक्रिया की विभागीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का अंग बन गये हैं।

कानपुर। यहां शराब ठेका खोलने के विरोध में महिलाओं ने बवाल कर दिया। इस दौरान उन्होंने टेकेदार और उपकरणों की प्रतिक्रिया की विभागीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का अंग बन गये हैं।

कानपुर। यहां शराब ठेका खोलने के विरोध में महिलाओं ने बवाल कर दिया। इस दौरान उन्होंने टेकेदार और उपकरणों की प्रतिक्रिया की विभागीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का अंग बन गये हैं।

कानपुर। यहां शराब ठेका खोलने के विरोध में महिलाओं ने बवाल कर दिया। इस दौरान उन्होंने टेकेदार और उपकरणों की प्रतिक्रिया की विभागीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का अंग बन गये हैं।

कानपुर। यहां शराब ठेका खोलने के विरोध में महिलाओं ने बवाल कर दिया। इस दौरान उन्होंने टेकेदार और उपकरणों की प्रतिक्रिया की विभागीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का अंग बन गये हैं।

कानपुर। यहां शराब ठेका खोलने के विरोध में महिलाओं ने बवाल कर दिया। इस दौरान उन्होंने टेकेदार और उपकरणों की प्रतिक्रिया की विभागीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का अंग बन गये हैं।

कानपुर। यहां शराब ठेका खोलने के विरोध में महिलाओं ने बवाल कर दिया। इस दौरान उन्होंने टेकेदार और उपकरणों की प्रतिक्रिया की विभागीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का अंग बन गये हैं।

कानपुर। यहां शराब ठेका खोलने के विरोध में महिलाओं ने बवाल कर दिया। इस दौरान उन्होंने टेकेदार और उपकरणों की प्रतिक्रिया की विभागीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का अंग बन गये हैं।

कानपुर। यहां शराब ठेका खोलने के विरोध में महिलाओं ने बवाल कर दिया। इस दौरान उन्होंने टेकेदार और उपकरणों की प्रतिक्रिया की विभागीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का अंग बन गये हैं।

कानपुर। यहां शराब ठेका खोलने के विरोध में महिलाओं ने बवाल कर दिया। इस दौरान उन्होंने टेकेदार और उपकरणों की प्रतिक्रिया की विभागीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का अंग बन गये हैं।

कानपुर। यहां शराब ठेका खोलने के विरोध में महिलाओं ने बवाल कर दिया। इस दौरान उन्होंने टेकेदार और उपकरणों की प्रतिक्रिया की विभागीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का अंग बन गये हैं।

कानपुर। यहां शराब ठेका खोलने के विरोध में महिलाओं ने बवाल कर दिया। इस दौरान उन्होंने टेकेदार और उपकरणों की प्रतिक्रिया की विभागीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का अंग बन गये हैं।

कानपुर। यहां शराब ठेका खोलने के विरोध में महिलाओं ने बवाल कर दिया। इस दौरान उन्होंने टेकेदार और उपकरणों की प्रतिक्रिया की विभागीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का अंग बन गये हैं।

कानपुर। यहां शराब ठेका खोलने के विरोध में महिलाओं ने बवाल कर दिया। इस दौरान उन्होंने टेकेदार और उपकरणों की प्रतिक्रिया की विभागीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का अंग बन गये हैं।

कानपुर। यहां शराब ठेका खोलने के विरोध में महिलाओं









# सीने में खंजर उतारकर झाम में पैक करने वाली माशूकाएं

पति पत्नी के बीच वैचारिक मरम्भ तो आदिकाल से रहा है हमारी पौराणिक कथाओं में माता पार्वती द्वारा शिव की सलाह नहीं माने पर समुद्र तक्ष के बजाए में उपस्थिति और अपमान होने पर यज्ञ में कूद कर सती होने की कथा दर्ज है लेकिन आज के कलियुग दौर में स्थृत संस्कृति और संस्कार का पतन इस कदर हुआ है कि शक्ति स्वरूप तमाम सामाजिक वर्जनाओं को तोड़कर पति के खून से रंग हाथों में आशिक के नाम की मेहरी सजाने की कोशिश में जेल के सीखोंचों के पीछे पहुंच रही है। पहले कभी वर्ष दो वर्ष में इस तरह अब तो इस तरह की दिल दहलाने वाली वारदातों की डाढ़ी लगी है। पिछले कुछ वर्ष से देश के अलग-अलग दिसंगों से ऐसी खबरें आ रही हैं, जिनमें पति पत्नी का और पत्नी को आशिक का कल्पना करते हैं और अपना पार्टनर, पति या पिर कोई फैमिली में बैठक करते हैं कि देशभार में हर साल कीरी 50 हजार महिलाओं या लड़कियों का कल्पना हो जाता है। ऐसे 60 फीसदी मामलों में कातिल काइ अपना पार्टनर, पति या पिर कोई फैमिली में बैठक करते हैं कि देशभार में हर साल औसतन सब को सौ लोगों को उनकी पालनाकालीन करते हैं और अपने लगभग यैने तन सौ पलियां अपने पति के हाथों मारी जाती हैं। ऐसी आर्द्धाकालीन 2022 के अंकड़ों के अनुसार एक कल्पना की वजह से होने वाले कल्पना का प्रतिशत 7 से 8 फीसदी था। लेकिन 2015 से 2022 के दरमान ये बढ़कर 10 से 11 फीसदी हो गया। और ये गिनती लगातार बढ़ती जा रही है। एनसीआर्बी की ही एक रिपोर्ट के मुताबिक, 2022 में देशभार में संबंधों की वजह से होने वाले कल्पना का प्रतिशत 220 कल्पना के मामले सामने आए थे। इनी दौरान पति के हाथों पत्नी के कल्पना के 270 से ज्यादा मामले सामने आए, फिलहाल 2025 की तो अभी शुरू आते हैं। 24 का अंकड़ा हैरक्रॉने अपनी जारी नहीं किया है, लेकिन रिपोर्ट होने वाले अंकड़े डराकरे हैं और इन्हीं अंकड़ों को सक्त करके जब मुक्तान, साहिल, प्राप्ति, राकेश रौशन ना जाने एसे कितने ही नाम और ऐसी कितनी ही तस्वीरें सामने आती हैं तो अहसास करा जाती है कि अब मुहब्बत उस अहसास का नाम नहीं रहा जो कभी हर दिल में रहा करता था। वो दौर अलग था, जब नामान मोहब्बत में एक दिल के टुकड़े हजार हुए थे, जिनमें से अकेले शादी से जुड़े मामलों में 8 हजार 204 पति या पत्नी ने खुदकुशी की। जबकि इसके चरणों में 92 हजार 692 प्रेमी जोड़ों में से किसी एक ने खुदकुशी कर ली। इसके अलावा अवैध संबंधों की वजह से भी 855 लोगों ने खुदकुशी की। नेशनल फैमिली हेल्प सर्वे के एक अंकड़े के मुताबिक 4 फीसदी शादीशुदा महिलाओं ने ये माना है कि वो अपने पति को शारिरिक तौर पर चोट पहुंचाती है। इसी तरह हस्टी ऑफ इंटरेनेशनल इंटीट्यूट ऑफ पॉलिउलेशन साइंस की एक रिपोर्ट के मुताबिक वो नौकरीपेश महिलाएं जो जैसे करती हैं और मोबाइल का इंटेमेल करती हैं अपने पति से ज्यादा द्विगुणी हैं। इसके अलावा अलग वजहों से भी इसके अंकड़े के मुताबिक 4 फीसदी शादीशुदा महिलाओं ने ये माना है कि वो अपने पति को शारिरिक तौर पर चोट पहुंचाती है। अब समझ लीजिए वह दौर अलग था, जब मुहब्बत में जान देने की बातें हुआ करती थीं। हीर रंगी शीरी फरिहद लैला मजनू के तमाम किस्से अब अतीत बन रहे हैं जब ये दौर अलग है, यहां मुहब्बत खुद दिनों में खंजर उतार कर अपनी ही मुहब्बत की जान ले रही है। पति-पत्नी के बीच नौकरोंके मनमुटाव रूठना मानना जीवन का सहज हिस्सा होता रहा है लेकिन तो तब टीवी, मोबाइल, इंटरनेट, सोशल मीडिया कुछ भी नहीं था न ही सास बहु की सीरियल थी तब हम लोग और नूबकड़ जैसे करियर थे। 1995 में वक्फ कानून में संशोधन करते हुए वक्फ बोर्ड को असीमित शक्तियां दी गईं। अब यदि वक्फ बोर्ड किसी संपत्ति पर अपना दावा करता है तो उसे उसकी संपत्ति के बाद के संबंध थे। यहां चार 522 कल्पना के कुल मामलों में से कुल 2 हजार 821 कल्पना वजह से हुए। अपको बता दें कि ऐसा नहीं है कि अवैध संबंध और यार अशिकी में पहले कल्पना नहीं हुआ करते थे। पहले भी आशिकों ने हाथों में खंजर या तमें उड़ाए हैं लेकिन 2010 के बाद से पति-पत्नी, इसके बैबकाई और अवैध संबंध की वजह से इसके बाद के अलग-अलग वक्फ बोर्ड हैं। जबकि केंद्रीय अल्पसंख्यक संशोधन संसद में पेश किया गया। जिस पर पक्ष विपक्ष की जबरदस्त बहस हुई वक्फ के अवैध संबंध की आवश्यकता है और इसे पापा होना चाहिए। आप को सुन कर शायद हैरानी होगी की आजाद भारत में भारतीय सेना और भारतीय रेलवे के बाद वक्फ बोर्ड ही वो संस्था है जिसके पापा होना चाहिए। आप को अपने दावों के बाद के संबंध थे। यहां चार 54 हजार 509 संपत्तियां हैं, जो कुल मालिकार 9 लाख एकड़ के आसापास हैं। वक्फ का मालब है खुदाया या अल्लाह के नाम पर अर्पित वक्फ। यह मुस्लिम सम्प्रदाय और इस्लामिक कानून की एक प्रणाली है, जिसमें जकात यानि दान की गई संपत्ति का स्वामी अल्लाह या खुदा को बना दिया जाता है और संपत्ति को पूर्ण रूप से धर्म के कार्यों में इस्तेमाल के लिए दिया जाता है। इसके बाद उत्तर पर यज्ञ के बाद वक्फ बोर्ड को आदेश प्राप्त होता है। यहां चार 54 हजार 509 संपत्तियां हैं, जो कुल मालिकार 9 लाख एकड़ के आसापास हैं। वक्फ का मालब है खुदाया या अल्लाह के नाम पर अर्पित वक्फ। यह मुस्लिम सम्प्रदाय और इस्लामिक कानून की एक प्रणाली है, जिसके पापा होना चाहिए। आप को इसकी स्थापना के बाद के संबंध और इसके बाद के संबंध थे। यहां चार 54 हजार 509 संपत्तियां हैं, जो कुल मालिकार 9 लाख एकड़ के आसापास हैं। वक्फ का मालब है खुदाया या अल्लाह के नाम पर अर्पित वक्फ। यह मुस्लिम सम्प्रदाय और इस्लामिक कानून की एक प्रणाली है, जिसके पापा होना चाहिए। आप को इसकी स्थापना के बाद के संबंध और इसके बाद के संबंध थे। यहां चार 54 हजार 509 संपत्तियां हैं, जो कुल मालिकार 9 लाख एकड़ के आसापास हैं। वक्फ का मालब है खुदाया या अल्लाह के नाम पर अर्पित वक्फ। यह मुस्लिम सम्प्रदाय और इस्लामिक कानून की एक प्रणाली है, जिसके पापा होना चाहिए। आप को इसकी स्थापना के बाद के संबंध और इसके बाद के संबंध थे। यहां चार 54 हजार 509 संपत्तियां हैं, जो कुल मालिकार 9 लाख एकड़ के आसापास हैं। वक्फ का मालब है खुदाया या अल्लाह के नाम पर अर्पित वक्फ। यह मुस्लिम सम्प्रदाय और इस्लामिक कानून की एक प्रणाली है, जिसके पापा होना चाहिए। आप को इसकी स्थापना के बाद के संबंध और इसके बाद के संबंध थे। यहां चार 54 हजार 509 संपत्तियां हैं, जो कुल मालिकार 9 लाख एकड़ के आसापास हैं। वक्फ का मालब है खुदाया या अल्लाह के नाम पर अर्पित वक्फ। यह मुस्लिम सम्प्रदाय और इस्लामिक कानून की एक प्रणाली है, जिसके पापा होना चाहिए। आप को इसकी स्थापना के बाद के संबंध और इसके बाद के संबंध थे। यहां चार 54 हजार 509 संपत्तियां हैं, जो कुल मालिकार 9 लाख एकड़ के आसापास हैं। वक्फ का मालब है खुदाया या अल्लाह के नाम पर अर्पित वक्फ। यह मुस्लिम सम्प्रदाय और इस्लामिक कानून की एक प्रणाली है, जिसके पापा होना चाहिए। आप को इसकी स्थापना के बाद के संबंध और इसके बाद के संबंध थे। यहां चार 54 हजार 509 संपत्तियां हैं, जो कुल मालिकार 9 लाख एकड़ के आसापास हैं। वक्फ का मालब है खुदाया या अल्लाह के नाम पर अर्पित वक्फ। यह मुस्लिम सम्प्रदाय और इस्लामिक कानून की एक प्रणाली है, जिसके पापा होना चाहिए। आप को इसकी स्थापना के बाद के संबंध और इसके बाद के संबंध थे। यहां चार 54 हजार 509 संपत्तियां हैं, जो कुल मालिकार 9 लाख एकड़ के आसापास हैं। वक्फ का मालब है खुदाया या अल्लाह के नाम पर अर्पित वक्फ। यह मुस्लिम सम्प्रदाय और इस्लामिक कानून की एक प्रणाली है, जिसके पापा होना चाहिए। आप को इसकी स्थापना के बाद के संबंध और इसके बाद के संबंध थे। यहां चार 54 हजार 509 संपत्तियां हैं, जो कुल मालिकार 9 लाख एकड़ के आसापास हैं। वक्फ का मालब है खुदाया या अल्लाह के नाम पर अर्पित वक्फ। यह मुस्लिम सम्प्रदाय और इस्लामिक कानून की एक प्रणाली है, जिसके पापा होना चाहिए। आप को इसकी स्थापना के बाद के संबंध और इसके बाद के संबंध थे। यहां चार 54 हजार 509 संपत्तियां हैं, जो कुल मालिकार 9 लाख एकड़ के आसापास हैं। वक्फ का मालब है खुदाया या अल्लाह के नाम पर अर्पित वक्फ। यह मुस्लिम सम्प्रदाय और इस्लामिक कानून की एक प्रणाली है, जिसके पापा होना चाहिए। आप को इसकी स्थापना के बाद के संबंध और इसके बाद के संबंध थे। यहां चार 54 हजार 509 संपत्तियां हैं, जो कुल मालिकार 9 लाख एकड़ के आसापास हैं। वक्फ का मालब है खुदाया या अल्लाह के नाम पर अर्पित वक्फ। यह मुस्लिम सम्प्रदाय और इस्लामिक कानून की एक प्रणाली है, जिसके पापा होना चाहिए। आप को इसकी स्थापना के बाद के संबंध और इसके बाद के संबंध थे। यहां चार 54 हजार 509 संपत्तियां हैं, जो कुल मालिकार 9 लाख एकड़ के आसापास हैं। वक्फ का मालब है खुदाया या अल्लाह के नाम पर अर्पित वक्फ। यह मुस्लिम सम्प्रदाय और इस्लामिक कानून की एक प्रणाली है, जिसके पापा होना चाहिए। आप को इसकी स्थापना के बाद के संबंध और इसके बाद के संबंध थे। यहां चार 54 हजार 509 संपत्तियां हैं, जो कुल मालिकार 9 लाख एकड़ के आसापास हैं। वक्फ का मालब है खुदाया या अल्लाह के नाम पर अर्पित वक्फ। यह मुस्लिम सम्प्रदाय और इस्लामिक कानून की एक प्रणाली है, जिसके पापा होना चाहिए। आप को इसकी स्थापना के बाद के संबंध और इसके बाद के संबंध थे। यहां चार 54 हजार 509 संपत्तियां हैं, जो कुल मालिकार 9 लाख एकड़ के आसापास हैं। वक्फ का मालब है खुदाया या अल्लाह के नाम पर अर्पित वक्फ। यह मुस्लिम सम्प्रदाय और इस्लामिक कानून की एक प्रणाली है, जिसके पापा होना चाहिए। आप को इसकी स्थापना के बाद के संबंध और इसके बाद के संबंध थे। यहां चार 54 हजार 509 संपत्तियां हैं, जो कुल मालिकार 9 लाख एकड़ के आसापास हैं। वक्फ का मालब है खुदाया या अल्लाह के नाम पर अर्पित वक्फ। यह



## संक्षिप्त खबरें

पुलिस ने जलती चिता से निकाला नवविवाहिता का शव

मथुरा। राया क्षेत्र के गांव कटौती में अचानक पहुंची पुलिस को देखकर भगदड़ मच गई, जो लोग मौके पर थे वह भगव निकले। पुलिस ने आनन फान में जलती चिता से नवविवाहित का शव निकाला। आवश्यक कार्यवाही करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मामले में पुलिस आगे की कार्यवाही कर रही है। थाना राया क्षेत्र के गांव कटौती में एक महिला की सर्विधि परिस्थितियों में मौत हो गयी। आरोप है कि संसुखीलीजों ने महिल के मायके पक्ष को इस बात की सुचना नहीं दी और मायके पक्ष को बताए महिला का अंतिम संस्कार कर दिया। किसी ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। सूचना पर क्षेत्रीयकारी महावन घटेंद चैहान, प्रभारी निरीक्षक अजय कौशल पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए। जलती हुई चिता पर पानी डाल कर भूमा दिया गया। मौके पर पहुंची एकसप्ल की टीम ने मृतक के अध्यजल अवशेषों को चिता से निकाल कर कब्जे में ले लिया। इस की जानकारी नायब तहसीलदार महावन प्रदूषन विपाठी को थाना पुलिस के द्वारा दी गई। नायब तहसीलदार के द्वारा पंचायत की कार्रवाई करने के बाद मूलत के शव के बाबत एवं विवशों को बदले में लेकर पोस्टमार्टम गृह भिजवा दिया। थाना अध्यक्ष अवश्य कौशल ने बताया की गांव कटौती में उच्च अधिकारी को अवगत करते हुए शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम गृह भिजवा दिया। थाना अध्यक्ष अवश्य कौशल ने बताया की गांव कटौती में विवाहित के जलती चिता की सुचना 112 नंबर डायल पर की गई थी। इस मामले में उच्च अधिकारी को अवगत करते हुए शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम गृह भिजवा दिया है और आगे की कार्रवाई में जुट गई है। बुलन्दशहर निवासी रिया (23) की विपास कुमार के साथ पांच महीने पहले शादी हुई थी।

## पुलिस के साथ मारपीट की घटना में धरपकड़ तेज

मथुरा। इद से पहले मोहल्ला निकाला में पुलिस ने घटना के पांच दिन बाद कार्यवाही तेज कर दी है। हालांकरों के घरों में ताबड़ोल दर्द देकर आरोपियों में खलबली मचा दी है। आधा दर्जन हमलाकरों को दबोच लिया है। दूसरी ओर आरोपियों के परिजनों ने आरोप लगाया है कि पुलिस घर में ताड़फोड़ कर रही है। मोहल्ला निकाला में 27 मार्च को पुलिसकर्मियों को दौड़ा दौड़ाकर पीटा था। जैसे तैसे वे लोग जान बचाकर भागे। इसकी लीडिंग सोशल मीडिया पर लापता हो गया। जिससे पुलिस ने 24 नामजदों का बदल कर दिया था। घटना ने अब इस घटना में कार्यवाही तेज कर दी है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक पुलिस की टीमों ने आरोपी हमलाकरों को लाइन मुकदमा दर्ज किया था। घटना के बाद दिल्ली के शिकार हुए तीनों पुलिसकर्मियों को लाइन मुकदमा दर्ज किया था। घटना में बदल कर दिया था। अचानक हुई इस कार्रवाई से पूरे मोहल्ले में हड्डकंप मच गया। यह कार्रवाई एक साथ कई घरों पर की गई। जहां से पुलिस ने छह लोग बबूर्त लाला उफ सालिन पुर सीद, असिक पुर सीद, अब्दुल्ला लाला पुर शरीफ, उम्र पुर सुन को दबोच लिया। पुरी कार्रवाई से मोहल्ले में भगदड़ मच गई। उच्च वहां अब्दर, अहमद, गशिद, मौहम्मद, रहीश, नेहा पुरी रसीद दल्लावासिया ने पुलिस पर आरोप लगाया है कि पुलिसकर्मी घर में तोड़फोड़ कर रहे हैं। पुलिस ने ऐसे सभी आरोपों को निराधार तेजते हुए वार्षिकों की गिरफतारी के लिए दर्बार की बात कही।

## बिहार के राज्यपाल पहुंचे लोहवन, कार्यक्रम में हुए शामिल

मथुरा। बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने गजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय और राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय लोहवन के नवीनीकृत निर्माण कार्यों को उद्घाटन किया। बिहार के राज्यपाल ने उद्घाटन समारोह में भाग लिया, जिसमें विधायक पूरन प्रकाश, डीएम चंद्र प्रकाश सिंह, एसएसपी शैलेश कुमार पांडेय, निशा उर जिलाधिकारी सदर, आदेश कुमार उर जिलाधिकारी महावन, सुनील दत्त बेसिक शिक्षा अधिकारी और दिनेश कुमार विपाठी खंड शिक्षा अधिकारी सहित अन्य उपस्थित थे। इससे पहले बिहार के राज्यपाल और अन्य गणनाय विवरियों का स्वागत किया गया। राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने शिक्षा की परिवर्तनकारी शवित पर जार देते हुए कहा कि शिक्षा के माध्यम से ही समाज की प्रगति सुनिश्चित हुई है। शिक्षा न केवल व्यक्तियों को सशक्त बनाती है, बल्कि हमारे संघर्षों के आस पास के समग्र विकास को भी बढ़ावा देती है।

मथुरा। बिहार के राज्यपाल पर जारी की गयी विद्यालय और राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय लोहवन के नवीनीकृत निर्माण कार्यों को उद्घाटन किया। बिहार के राज्यपाल ने उद्घाटन समारोह में भाग लिया, जिसमें विधायक पूरन प्रकाश, डीएम चंद्र प्रकाश सिंह, एसएसपी शैलेश कुमार पांडेय, निशा उर जिलाधिकारी सदर, आदेश कुमार उर जिलाधिकारी महावन, सुनील दत्त बेसिक शिक्षा अधिकारी और दिनेश कुमार विपाठी खंड शिक्षा अधिकारी सहित अन्य उपस्थित थे। इससे पहले बिहार के राज्यपाल और अन्य गणनाय विवरियों का स्वागत किया गया। राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने शिक्षा की परिवर्तनकारी शवित पर जार देते हुए कहा कि शिक्षा के माध्यम से ही समाज की प्रगति सुनिश्चित हुई है। शिक्षा न केवल व्यक्तियों को सशक्त बनाती है, बल्कि हमारे संघर्षों के आस पास के समग्र विकास को भी बढ़ावा देती है।

मथुरा। नगर निगम मथुरा वृद्धावन के द्वारा यमुना जी के अवतरण दिवस यमुना छठ पर्व पर की जाने वाली व्यवस्थाओं के दृष्टिगत नगर आयुक्त शासन द्वारा यमुना जी के अवतरण दिवस के दृष्टिगत नगर आयुक्त कुमार एवं संबंधित विभागों के अधिकारियों को साथ घाटों के निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त द्वारा यमुना जी के तैनाती की जाने से बाढ़ की सफाई कर्मचारी द्वारा घोषित नहीं है तथा यमुना जी के तैनाती की जाने से बाढ़ की सफाई कर्मचारी द्वारा घोषित नहीं है। अब यमुना जी के तैनाती की जाने से बाढ़ की सफाई व्यवस्था में सुधार होगा। इस अवसर पर सहायता नगर आयुक्त अनुज कौशिक, जोनल सेनेटरी अधिकारी कम्पनियों में से एक बीबीजी को वार्ड 70 की सफाई का जिम्मा दिया गया है। बीबीजी

## ट्रंप की टैरिफ घोषणा का दुनिया को इंतजार

### स्वतंत्र प्रभात

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 2 अप्रैल को व्यापक टैरिफ लागू करने की तैयारी कर रहे हैं, जिसे व्हाइट हाउस ने मुक्तिदद दिवस नाम दिया है। हालांकि अभी कई बात साफ़ नहीं है कि टैरिफ कैसा होगा और कब लागू होगा? मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप कह चुके हैं कि टैरिफ रेसिप्रोकल/पारस्परिक होंगे। इसका मतलब है कि देशों पर वही शुल्क लगाया जाएगा जो वे अमेरिका पर लगाते हैं। यह स्पष्ट नहीं है कि टैरिफ का प्रभाव किस देश पर लगेगा। या क्या वे सभी के लिए समान होंगे? लेकिन, एक टैरिफ बढ़ा दिया। कनाडा ने टैरिफ पर जवाबी कार्रवाई करते हुए अमेरिकी स्टील और एल्युमीनियम पर 25% शुल्क लगाया, जबकि चीन ने भी कुछ अमेरिकी कृषि उत्पादों पर 10-15% टैरिफ लगाया। ट्रंप का तर्क है कि टैरिफ से अमेरिकी मैन्यूफैक्चरर को मदद मिलेगी क्योंकि इससे उभोक्ता अमेरिकी निर्माण समान खरीदने के लिए प्रोत्साहित होंगे। हालांकि विशेषकों ने चेतावनी दी है कि इसकी कीमत बढ़ सकती है। यूरोपीय



संघ (ईयू) का कहना है कि वह जवाबी कार्रवाई करते हुए अमेरिकी स्टील और एल्युमीनियम पर 25% शुल्क लगाया, जबकि चीन ने भी कुछ अमेरिकी कृषि उत्पादों पर 10-15% टैरिफ लगाया। ट्रंप का तर्क है कि टैरिफ से अमेरिकी मैन्यूफैक्चरर को मदद मिलेगी क्योंकि इससे उभोक्ता अमेरिकी निर्माण समान खरीदने के लिए प्रोत्साहित होंगे। हालांकि विशेषकों ने चेतावनी दी है कि इसकी कीमत बढ़ सकती है। यूरोपीय

उत्पादक बढ़ा दिया। कनाडा ने टैरिफ पर जवाबी कार्रवाई करते हुए अमेरिकी स्टील और एल्युमीनियम पर 25% शुल्क लगाया, जबकि चीन ने भी कुछ अमेरिकी कृषि उत्पादों पर 10-15% टैरिफ लगाया। ट्रंप का तर्क है कि टैरिफ से अमेरिकी मैन्यूफैक्चरर को मदद मिलेगी क्योंकि इससे उभोक्ता अमेरिकी निर्माण समान खरीदने के लिए प्रोत्साहित होंगे। हालांकि विशेषकों ने चेतावनी दी है कि इसकी कीमत बढ़ सकती है। यूरोपीय

उत्पादक बढ़ा दिया। कनाडा ने टैरिफ पर जवाबी कार्रवाई करते हुए अमेरिकी स्टील और एल्युमीनियम पर 25% शुल्क लगाया, जबकि चीन ने भी कुछ अमेरिकी कृषि उत्पादों पर 10-15% टैरिफ लगाया। ट्रंप का तर्क है कि टैरिफ से अमेरिकी मैन्यूफैक्चरर को मदद मिलेगी क्योंकि इससे उभोक्ता अमेरिकी निर्माण समान खरीदने के लिए प्रोत्साहित होंगे। हालांकि विशेषकों ने चेतावनी दी है कि इसकी कीमत बढ़ सकती है। यूरोपीय

उत्पादक बढ़ा दिया। कनाडा ने टैरिफ पर जवाबी कार्रवाई करते हुए अमेरिकी स्टील और एल्युमीनियम पर 25% शुल्क लगाया, जबकि चीन ने भी कुछ अमेरिकी कृषि उत्पादों पर 10-15% टैरिफ लगाया। ट्रंप का तर्क है कि टैरिफ से अमेरिकी मैन्यूफैक्चरर को मदद मिलेगी क्योंकि इससे उभोक्ता अमेरिकी निर्माण समान खरीदने के लिए प्रोत्साहित होंगे। हालांकि विशेषकों ने चेतावनी दी है कि इसकी कीमत बढ़ सकती है। यूरोपीय

उत्पादक बढ़ा दिया। कनाडा ने टैरिफ पर जवाबी कार्रवाई करते हुए अमेरिकी स्टील और एल्युमीनियम पर 25% शुल्क लगाया, जबकि चीन ने भी कुछ अमेरिकी कृषि उत्पादों पर 10-15% टैरिफ लगाय